अजमेर शहर में भारी बरसात के बाद तेजी से हालात सामान्य होने लगे

जिला कलेक्टर सहित अधिकारियों की पूरी टीम तैनात, अब सिर्फ लो लाइन एरिया और एस्केप चैनल के आसपास की कॉलोनियों में पानी है

अजमेर, (निसं)। अजमेर शहर में मात्र कुछ घण्टों में 200 एमएम से ज्यादा बारिश के बाद जलभराव के हालात अब सामान्य हो रहे हैं। जिला प्रशासन की टीम द्वारा 24 घण्टे लगातार किए जा रहे प्रयासों से अधिकांश जगहों पर पानी का जमाव समाप्त हो गया है। अब सिर्फ लो लाइन एरिया और एस्केप चैनल के आसपास की कॉलोनियों में पानी है। इसे भी उच्च क्षमता के मड पम्पों की सहायता से निकाला जा रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में दूध, फल, सब्जी, खाद्य सामग्री व पेयजल की आपूर्ति भी जारी है। आश्रय स्थलों में भी राहत दी जा रही है। जिला कलेक्टर लोकबंधु ने पिछले दो दिन में लगातार वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर आमजन को सुरक्षित बाहर निकालने, आवश्यक सुविधाओं व भोजन की आपूर्ति व जल निकासी की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की है।

जिला कलेक्टर लोकबन्धु ने बताया कि 17 व 18 जुलाई को मात्र 30 घण्टों में 200 एमएम बारिश के बाद शहर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव की स्थिति बनी थी। अब यह

- **प्रभावित क्षेत्रों में दूध, फल, सब्जी, खाद्य सामग्री व पेयजल की आपूर्ति भी जारी है, आश्रय स्थलों में भी राहत दी जा रही है**

जलभराव मात्र कुछ कॉलोनियों, लो लाइन एरिया व एस्केप चैनल का जलस्तर बढ़ने के कारण उसके आसपास बसी कॉलोनियों तक सीमित रह गया है। यहां से भी जलभराव को उच्च क्षमता के 24 मड पंप लगाकर निकाला जा रहा है। वरूण सागर एवं आनासागर में कैचमेंट से पानी की आवक अब कम हो गई है। वरूण सागर की चादर अब मात्र कुछ इंच की रह गई है। आनासागर का जलस्तर भी घट रहा है। वह अब 16 फीट के आसपास रह गया है। कलेक्टर लोक बन्धु ने रविवार को राहत कार्य में तैनात सभी आरएएस अधिकारी, नगर निगम, एडीए, सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ व अन्य सभी विभागों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में मड पम्पों को लगतार चलाकर जल की निकासी की जाए। जलभराव क्षेत्रों में दूध, खाद्य सामग्री, पेयजल व दवाओं के छिड़काव की सुनिश्चित की जाए। यदि कोई व्यक्ति आश्रय स्थल जाना चाहता है तो उसे वहां पहुंचाया जाए। वहीं जिला प्रशासन द्वारा वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में लगातार मुनादी करवाई जा रही हे। इसमें आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई, आश्रय स्थल व चिकित्सा आदि से संबंधित जानकारी दी जा रही है।

सड़क हादसों में मामा-भांजा सहित तीन की मौत

अलवर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो छात्रों को कंटेनर ने कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों रिश्ते में मामा-भांजा लगते थे। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक कंटेनर के पहिए के नीचे आ गए। उनका चेहरा तक पहचानना मुश्किल हो गया। ड्राइवर कंटेनर छोड़कर मौके से फरार हो गया।

रिश्तेदार रुजदार खान ने बताया कि मरने वालों में मालिक (19) पुत्र सलीम निवासी ककराली और भांजे मंजलिस (14) पुत्र शेर मोहम्मद निवासी तूलेड़ा हैं। हादसा सदर थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर कटोरी वाला पेट्रोल पंप के पास हुआ। दोनों ककराली गांव से तूलेड़ा जा रहे थे। दोनों को जिला

- **कंटेनर ने बाइक सवार मामा-भांजा को कुचला, दोनों की मौत**
- **ट्रक ने एक ही परिवार की तीन महिलाओं को कुचला, एक की मौत, दो घायल**

अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव मोर्चरी में रखवाया गया है।

वहीं एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। वहीं, दो महिलाओं की हालत गंभीर है। हादसा सुबह करीब 5.15 बजे अरावली विहार थाना क्षेत्र में कटी घाटी के समीप हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मृतका के शव को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह ट्रक की चपेट में आने से एक ही परिवार की तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। एक महिला को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए जयपुर रैफर किया गया है। जबकि तीसरी महिला का सामान्य अस्पताल में इलाज चल रहा है।

लाखूसर के सोलर प्लांट में फिर से खेजड़ी के पेड़ काटे

बीकानेर, (निसं)। सोलर कंपनी के समर्थन में पुलिस किस तरह से ग्रामीणों पर दबाव डाल रही है इसका जीता जागता नजारा लाखूसर में देखने को मिला। सोलर प्लांट पर खेजड़ी काटते हुए पकड़े गए युवक को पुलिस छुड़वा दिया। इतना ही नहीं एसएचओ ने कहा, पकड़ने वालों पर मजदूर के अपहरण का केस दर्ज होगा।

जानकारी के अनुसार लाखूसर में एक सोलर प्लांट पर कई दिनों से खेजड़ी के पेड़ काटने को लेकर विवाद चल रहा है। शनिवार को ग्रामीणों ने एक युवक को स्वचलित आरा मशीन से खेजड़ी काटते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। उसकी गाड़ी में कई मशीनें और पेड़ काटने की सामग्री मिली। ग्रामीण उसे पकड़कर ग्राम पंचायत भवन ले गए। सूचना

- **ग्रामीणों ने युवक को पकड़ा, बाद में पुलिस ने छोड़ा**

मिलने के बाद छत्तरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। सरपंच प्रतिनिधि हंसराज ने एसएचओ भजनलाल को फोन कर जानकारी दी और खेजड़ी कटाई का मुकदमा दर्ज करने की मांग की। इस पर एसएचओ ने कहा कि कंपनी वाले ग्रामीणों के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज करवाएंगे। आप लोग उनके मजदूर को उठा लाए, जो पेड़ों की ट्रिमिंग (छंगाई) कर रहा था। हसंराज ने कहा कि पेड़ काटे गए हैं। सब गांव वालों ने देखा है। सभी उसे सकुशल पंचायत लेकर आए हैं। झूठा आरोप लगाया जा रहा है। उन्होंने युवक को पुलिस को सौंप दिया। कुछ ही देर में युवक का भाई आया और उसे ले गया। दरअसल मुकदमे की बात सुनकर ग्रामीण डर गए। क्योंकि पहले से ही उनके खिलाफ कई केस दर्ज हो चुके हैं।

सोलर प्लांट पर खेजड़ी काटते हुए पकड़ा गया युवक लालसर निवासी इफराइल शाह है। सूचना मिलने के बाद गांव से इसका भाई मकदम शाह लेने आ गया। ग्राम पंचायत में एसएचओ के नाम पत्र लिखकर अपने भाई को ले गया। पत्र में लिखा, मैं किसी तरह का विवाद नहीं चाहता। ठेकेदार जितेंद्र सिंह के कहने से खेजड़ी कटाई का कार्य करता हूं। सरपंच प्रतिनिधि ने कहा कि मौके पर खड़ी पुलिस देखती रही। कोई कार्यवाही नहीं की।

ट्रेनों का संचालन समय बदला

जोधपुर, (कासं)। रेलवे द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल पर चलने वाली दो ट्रेनों के संचालन समय में सोमवार से आंशिक परिवर्तन किया जा रहा है।

जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने बताया कि ट्रेन नंबर 74841, भगत की कोठी-भीलड़ी पैसेंजर 21 जुलाई सोमवार से भगत की कोठी से अपने वर्तमान निर्धारित समय सुबह 6.35 बजे के स्थान पर संशोधित समय सुबह 7.00 बजे चलकर भीलड़ी रेलवे स्टेशन पर निर्धारित आगमन समय के स्थान 2.10 बजे आगमन करेगी। ट्रेन के रास्ते के सभी स्टेशनों से संचालन समय में आंशिक परिवर्तन होगा। संशोधित समयानुसार ट्रेन 74841, 21 जुलाई से भगत की कोठी से प्रतिदिन सुबह 6.35 के स्थान पर 7.00 बजे प्रस्थान कर 7.05 बासनी, 7.17 सालावास, 7.58 दूदिया, 8.10 धुंधाड़ा, 8.19 महेश नगर हाल्ट, 8.27 अजीत व 8.53 समदड़ी पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन 9.08 बजे बामसीन, 9.17 राखी 9.26 मोकलसर, 9.39 बालवाड़ा, 9.47 बिशनगढ़, 10.14 जालोर, 10.49 बाकरा रोड, 10.54 मोदरान, 11.09 भीमपुरा, 11.18 लेदरमेर, 11.34 मारवाड़ भीनमाल 11.49 मारवाड़ कोरी, दोपहर 12 मालवाड़ा, और 12:09 बजे रानीवाड़ा पहुंचेगी।

संभागीय आयुक्त एवं जेडीए अध्यक्ष ने बरसाती पानी की निकासी कार्यों का निरीक्षण किया

जोधपुर, (कासं)। संभागीय आयुक्त एवं अध्यक्ष जेडीए डॉ. प्रतिभा सिंह एवं जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी ने रविवार को अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से

- **बारिश और बरसाती पानी की निकासी के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए**

विभिन्न स्थानों का दौरा किया। इस दौरान बारिश और बरसाती पानी की निकासी के संबंध में किए गए उपायों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

संभागीय आयुक्त एवं अध्यक्ष जेडीए डॉ. प्रतिभा सिंह एवं जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी ने अधिकारियों के साथ विभिन्न स्थानों का दौरा किया।

प्राधिकरण सचिव भागीरथ बिश्नोई ने बताया कि आयुक्त के निर्देशन में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां क्षेत्र की शिकायतें प्राप्त कर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। जोनवार उपायुक्त तथा प्राधिकरण की टीमें जलभराव वाले स्थानों की पहचान कर नियमित रूप से पम्प एवं जेसीबी की सहायता से जल निकासी की व्यवस्था की जा रही है। प्राधिकरण द्वारा कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही की जा रही है और जगह-जगह पंप लगाकर पानी की निकासी के लिए टीमें गठित की गई हैं। अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से निरीक्षण कर सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित किये जा रहे हैं।

जेडीए निर्देशक अभियांत्रिकी महेंद्र सिंह पंवार ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा बारिश के पानी की शीघ्र निकासी के लिए पूर्व में ही नये नाले बनाये गये एवं नालों की सफाई की गई। प्राधिकरण द्वारा डीपीएस चौराहे पर जल निकासी हेतु नया नाला बनाकर उसे एनएच के मुख्य नाले से जोड़ते हुए जलभराव की स्थिति का निराकरण किया गया। इसी प्रकार चौपासनी रोड पर जूना खेड़ापति मंदिर से लाल पुलिया तक मुख्य नया बॉक्स कन्वर्जन नाला (आरसीटीसी) एवं शास्त्री सर्कल पर बिजली घर के रेस्ट हाउस स्थित नाले से नया नाला निर्माण कार्य के साथ-साथ मेडिकल कॉलेज के पास भी नये नाले का निर्माण कार्य करवाते हुए जल निकासी की व्यवस्था की गई है तथा खोखरिया में नाले का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। प्राधिकरण द्वारा तिलवाडीया फांटा पर सीसी रोड के निर्माण एवं बनाड़ रोड के क्षतिग्रस्त हिस्सों पर दो नई सीसी सड़कों का निर्माण कार्य करवाते हुए आवागमन सुचारू करने एवं बनाड़ रोड पर सारण नगर आरओबी से पहले सीसी रोड का मरम्मत कार्य किया गया। साथ ही प्राधिकरण द्वारा बनाड़ क्षेत्र में जलभराव वाले स्थानों पर सात-आठ पंप एवं जेसीबी के साथ पांच टीमें निरन्तर कार्यरत हैं। अधिकारी और सभी टीम लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि किसी भी स्थिति में आवश्यक अतिरिक्त कार्यवाही समय रहते की जा सके एवं जलभराव वाले स्थानों पर नियमित मरम्मत एवं गड्ढों को भरने का कार्य किया जा रहा है।

मुनाफे का झांसा देकर 46 लाख से अधिक की धोखाधड़ी

ठगों ने पहले शेयर बाजार में निवेश के नाम पर अधिक कमाई का लालच दिया, उसके बाद राशि इंवेस्ट करवा दी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में इंवेस्ट के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। ठगों ने पहले शेयर बाजार में निवेश के नाम पर अधिक कमाई का लालच दिया, इसके बाद 46 लाख से अधिक की धनराशि इंवेस्ट करवा दी। बाद में पैसे लौटाने के बजाय फोन उठाने बंद कर दिए। इसका पता चलने पर पीड़ित की ओर से पहले सायबर पोर्टल और अब चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में रिपोर्ट दी गई है।

थाने में दी रिपोर्ट में राकेश पुत्र रमेश कुमार ने बताया कि वह मूल रूप से बालोतरा और वर्तमान में श्रीराम नगर पीएफ ऑफिस के पास रहते हैं। इसी साल अप्रैल माह की 18 और 19 तारीख को उनके मोबाइल नंबर पर देवराज नाम के व्यक्ति का फोन आया था। उन्होंने शेयर बाजार में ट्रेडिंग के नाम पर अच्छे पैसे और मुनाफे का झांसा दिया। उसने बताया कि उनके पास कई कंपनियों के जरिए शेयर बाजार में ट्रेडिंग कर अच्छा मुनाफा

- **पीड़ित को शेयर बाजार में ट्रेडिंग के नाम पर अच्छे पैसे और मुनाफे का झांसा दिया**

कमाने स्कीम है, जिसमें इनवेस्टमेंट कर वो अपना पैसा दो से तीन गुना कर सकते हैं। इस पर उन्होंने रुचि व्यक्त की। इसके बाद उनके फोन पर देवराज, मानव राजपूत, राज पटेल, विकास और विशाल चावड़ा नाम से अलग-अलग व्यक्तियों ने फोन करके उनकी कंपनी में जुड़कर शेयर बाजार में ट्रेडिंग करने और मुनाफा अधिक दिलाने का वादा किया।

उनकी बातों पर आकर उन्होंने एक बालोतरा शाखा में एचडीएफसी बैंक का खाता भी खुलवाया और खाते में 21 अप्रैल को 50000 और 22 अप्रैल को 50000 रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद 26 अप्रैल को उन्होंने इन्वेस्टमेंट का एक विवरण भेजा जिसमें उनकी प्रॉफिट राशि 73 हजार 400 बताई और इसका भुगतान बैंक के जरिए किया।

अधिक पैसे कमाने की चाह में उनका लालच बढ़ गया। इसके बाद उन्होंने उनकी कंपनी शिवालिक ब्रोकरेज लिमिटेड और अनमोल सेल्स ब्रोकिंग लिमिटेड के जरिए ट्रेडिशनल अकाउंट खोलने को कहा। बताया कि ट्रेडिशनल अकाउंट से अपने मूल जमा रकम से दो से तीन गुना राशि के बराबर शेयर ट्रेडिंग कर सकते हैं जिसमें उनका टैक्स भी नहीं लगेगा। उसके कहे अनुसार उसने फिनो बैंक के खाते में अलग-अलग समय पर रुपए जमा करवाए। इस तरह से 46 लाख 40 हजार रुपए की राशि जमा करवा दी गई। इसके बाद प्रॉफिट मांगा गया तो उन्होंने उनका फोन उठाना भी बंद कर दिया। इस पर सबसे पहले पीड़ित ने 23 जून को साइबर क्राइम थाने में ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई वहीं अब चौपासनी बोर्ड थाने में मामला दर्ज करवाया है।

उदयपुर : स्वरूप सागर के चारों गेट खोले

उदयपुर, (निसं)। शहर की पीछोला झील के लबालब होने के करीब पहुंचने के साथ ही उसमें सीसारमा से जारी अब भी आवक को देखते हुए स्वरूपसागर के गेट खोलने का फैसला रविवार शाम को ले लिया। शाम करीब 7 बजकर 18 मिनट पर स्वरूपसागर के चारों गेट तीन-तीन इंच खोल दिए गए। इधर, फतहसागर के छलकने का अब इंतजार करना होगा, क्योंकि इसमें मदार नहर से आवक की शुरूआत नहीं हुई है। हालांकि मदार बड़ा व छोटा का जलस्तर बढ़ रहा है, लेकिन बरसात का दौर कमजोर पड़ने से मदार नहर अब तक नहीं चली है। 13 फीट क्षमता वाली फतहसागर झील करीब ढाई फीट खाली है।

जानकारी के अनुसार उदयपुर शहर में रविवार को बारिश का दौर थमा रहा। मौसम में उमस घुली हुई है। दोपहर करीब 1.30 बजे हल्की बूंदाबांदी के बाद पूरा दिन सूखा ही बीता। इधर, जल संसाधन विभाग की ओर से शनिवार को स्वरूपसागर के गेट खोले जाने थे, लेकिन पीछोला और फतहसागर झीलों के जलस्तर को देखते हुए इसे तीन-तीन इंच और भरा गया और एक दिन बाद आज स्वरूपसागर के गेट खोल दिए गए। इधर उदयपुर शहर के दिन व रात के तापमान में केवल चार डिग्री का अंतर है। रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री व न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। फतहसागर झील को भरने वाला मदार छोटा व बड़ा छलकने का इंतजार है। मदार छोटा अब केवल तीन तीन इंच खाली है वहीं मदार बड़ा में अब भी चार फीट पानी की जरूरत है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि इस बार भी फतहसागर झील अगर पानी की आवक शुरू होती है अगस्त माह में ही छलकेगी। लगातार आवक के बाद आयड़ नदी कम वेग के साथ बहने लगेगी।

बालिका गृह में डॉक्टर पर रेप के आरोप में नया मोड़ आया

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के बालिका गृह में रेप मामले में नया मोड़ सामने आया है। राज्य बाल आयोग सदस्य ध्रुव कविया ने रविवार सुबह बालिका गृह का निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि रेप के आरोपी डॉ. अरविंद नाम का कोई डॉक्टर पांच महीनों से सेंटर में विजिट पर नहीं आया है।

उल्लेखनीय है कि पीड़िता ने आरोप लगाया था कि डॉ. अरविंद ने डरा धमकाकर उसके साथ रेप किया। 2 जून को बालिग होने के बाद उसका पति उसे बालिका गृह से ले गया। एक महीने से वह अपने पति के साथ महाराष्ट्र में रह रही है। वहीं उसे इसी महीने पता लगा कि वह गर्भवती हो गई है। पीड़िता ने महाराष्ट्र के थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कराई जो अब उदयपुर के सुखेर थाने में पहुंची है। पीड़िता के साथ रेप नारी निकेतन में किस जगह और किन हालातों में हुआ,

- **राज्य बाल आयोग सदस्य ध्रुव कविया ने बालिका गृह का निरीक्षण किया**

एफआईआर में इसका कोई जिक्र नहीं है।

राज्य बाल आयोग सदस्य ध्रुव कविया के अनुसार दो जून को जब पीड़िता यहां से रिलीव हुई थी तब भी उसकी मेडिकल जांच की गई थी। जांच में ऐसा कुछ सामने नहीं आया था। उन्होंने बताया कि एक कमेटी सरकारी डॉक्टरों का पैनल निर्धारित करती है, जिसमें महिला डॉक्टर भी शामिल होती हैं। नियमानुसार नाबालिग या बालिग महिलाओं के निवास तक जाने की अनुमति किसी भी पुरुष को नहीं है। फिर भी हम मामले की तह तक जांच में जुटे हैं, जो दोषी होंगे उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। इधर एफआईआर में नाबालिग ने आरोप लगाया कि उसने तीन साल पहले प्रेम विवाह किया था। उस समय वह 16 साल की थी। घर से भागने के बाद पिता ने पति के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया। वहीं नाबालिग को उदयपुर के बाल सुधार सेंटर में भेज दिया, जहां डॉक्टर अरविंद ने उसका रेप किया। डरी-सहमी नाबालिग ने इस घटना के बारे में जब केन्द्र की महिला नर्स, टीचर और सीडब्ल्यूसी की यशोदा को बताया तो उन्होंने कोई मदद नहीं की। बल्कि गर्भवती हुई तो उसका गर्भपात करा दिया। उसने बताया कि जब मैंने दूसरी लड़कियों को बताया तो उन्होंने कहा कि उनके साथ भी गलत हुआ है लेकिन वे डर की वजह से कुछ नहीं बोल रही हैं। डॉक्टर ने कई लड़कियों के साथ ज्यादती की है। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने जांच एएसपी रामेश्वरलाल को सौंपी है।

चोरी व नकबजनी की एक दर्जन वारदातों का पर्दाफाश, सात गिरफ्तार

करीब दो करोड़ की चोरी व नकबजनी करने का खुलासा किया

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सांचौर पुलिस ने रविवार को चोरी व नकबजनी की करीब एक दर्जन वारदातों का पर्दाफाश किया। वहीं करीब दो करोड़ की चोरी व नकबजनी के माल चोरी करने वाले मुख्य सरगना भरत कुमार व उसके छह सहयोगियों को गिरफ्तार किया।

जालोर जिले के पुलिस थाना सांचौर, झाब, चितलवाना हल्का क्षैत्र में हो रही नकबजनी की वारदात की रोकथाम के लिए घटनास्थलों का बारिकी से निरीक्षण कर वृत एवं थाना स्तर पर विभिन्न टीमों का गठन किया गया, गठित टीमों द्वारा सर्कल सांचौर में चोरी व नकबजनी के दर्ज प्रकरणों में मुखबीर तंत्रों एवं तकनीकी सहायता से चोरी व नकबजनी का मुख्य सरगना भरत कुमार पुत्र बाबूलाल पुरोहित निवासी खिरोडी पुलिस थाना झाब व इसके सहयोगियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि बाबूलाल पुत्र हरलाल विश्नोई निवासी डबाल पुलिस थाना सांचोर हाल चौकीदार मांगीलाल

पुलिस ने चोरी करने वाले मुख्य सरगना व छह सहयोगियों को गिरफ्तार किया।

पुत्र बच्छराज जैन निवासी सांचौर ने थाना में एक रिपोर्ट पेश की कि 2 जुलाई की रात्रि को अज्ञात चोरों द्वारा मांगीलाल पुत्र बच्छराज के मकान में रात्रि के समय प्रथम मंजिल मकान के ताले तोड़कर घर में घुसकर अन्दर से चांदी के बर्तन, 70 हजार रूपये, सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर मय डॉगल चुराकर ले गये हैं। घटनास्थल निरीक्षण के मौके पर एक कट्टर मशीन का कवर व बिल मिला जिसके सम्बंध में सर्कल स्पेशल टीम ने सूचना के आधार पर भरत कुमार पुत्र बाबुलाल निवासी खिरोडी के द्वारा घटना करना सामने आने पर दस्तयाब करने हेतु पुलिस थाना सांचौर व सर्कल स्पेशल टीम सांचौर द्वारा गुजरात, महाराष्ट्र व राजस्थान में संभावित स्थानों पर तलाश की जाकर डिटेन किया।

वहीं गहनता से पूछताछ की गई तो मुलजिम भरत कुमार व उसके सहयोगी घीसुपालसिंह, उत्तम मेघवाल, राहुल पुरोहित, प्रकाश कलबी, दशरथ पुरोहित व अन्य के द्वारा उक्त प्रकरण में चोरी करना स्वीकार किया। अन्य दो प्रकरणों में एवं सर्कल सांचौर के पुलिस थाना चितलवाना एवं झाब के एक-एक नकबजनी के प्रकरणों में वारदतों को अंजाम देना स्वीकार किया गया। अभियुक्तों से पूछताछ व अनुसंधान जारी है। वहीं नकबजनी एवं चोरी की अन्य वारदातों के भी खुलने की संभावना है।

होटल में मादा कोबरा सांप एवं उसके 18 बच्चे मिले

उदयपुर शहर की एक होटल में कबाड़ में एक कोबरा सांप एवं उसके 18 बच्चे मिले।

उदयपुर, (निसं)। शहर की एक होटल में एक मादा कोबरा सांप एवं उसके 18 बच्चे मिले। शहर की एक होटल में सांप निकल ने की सूचना पर वाइल्ड एनिमल रेस्क्यू सेंटर के अध्यक्ष डॉ .चमन सिंह चौहान, कोमल गमेती, चमन सिंह मौके पर पहुंचे, जहां होटल के बाहर गार्डन में पिछले कई सालों से लकड़ियां व कबाड़ जमा था।

जैसे-जैसे कबाड़ हटाते गए कबाड़

- **रेस्क्यू सेंटर टीम ने सभी सांपों का रेस्क्यू कर वन्य क्षेत्र में छोड़ा**

के पीछे एक बड़ा कोबरा सांप एवं उसके 18 बच्चे एक साथ बैठे दिखे। यह देखते ही होटल वालों के होश उड गए। अध्यक्ष चमन सिंह चौहान ने बताया कि कोबरा सांप एक बार में 12 से 20 अंडे देता है। यह बच्चे कुछ ही दिन पहले निकले हैं। गनीमत यह रही कि बड़े कोबरा ने किसी भी बच्चे को नुकसान नहीं पहुंचाया, क्योंकि अक्सर सुनने में आता है कि कोबरा सांप अपने बच्चों को खा जाता है लेकिन यह पहली बार देखा गया कि कोबरा सांप अपने बच्चों का ध्यान रख रहा है। सभी सांपों को सुरक्षित रेस्क्यू कर वन्य क्षेत्र में छोड़ा।